27.06.25

Delhi Public School, Howrah

PERIODIC TEST-I (2025-2026)

CLASS- XI

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय : हिंदी - सं. (302)

अवधिः 3 घंटे **पूर्णांक = 80**

सामान्य निर्देश -

(1) इस प्रश्न पत्र में तीन खंड है- खंड क, ख और ग ।

(2) खंड- (क) में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे ।

(3) खंड- (ख) में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

(4) खंड- (ग) में आरोह भाग -1 एंव वितान भाग -1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

खंड- 'क' अपठित बोध 18 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 10

हमारे देश की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यहाँ बसने वाले लोग अनेक धर्मों को मानते हैं, नाना प्रकार की भाषाएँ बोलते हैं; तथा खान-पान, रहन-सहन और रीति-रिवाज में भी उनकी रुचियाँ विभिन्न हैं। बाहर से आई विभिन्न जातियाँ इस देश को ही अपना देश मानकर रहती आई हैं। यही कारण है कि भारत छोटे पैमाने पर सारे संसार का नमूना पेश करता है; और चूँकि नाना धर्मों और नाना भाषाओं का देश होकर भी भारत एक देश रहा है, अतएव जो लोग सारे संसार को एक बनाने की बात कर रहे हैं, उन्हें भारत को देखकर यह आशा बँधती है कि किसी-न-किसी दिन सारा संसार एक होकर रहेगा तथा दुनिया में जो अनेक भाषाएँ, अनेक धर्म और अनेक मतवाद प्रचलित हैं, वे संसार को एक होने से रोक न सकेंगे। सारी विभिन्नताओं को कायम रखकर भारत ने जिस एकता को प्राप्त किया है, वही एकता संसार का ध्येय है। विभिन्नताओं को ज़बरदस्ती दबाकर बनावटी एकता पैदा करने की शैली तानाशाही की होती है। किंतु भारत की एकता ऊपर से लादी नहीं गई है, भारत की सांस्कृतिक चेतना से उत्पन्न हुई है। यही एकता भारत की शोभा है। इसी एकता के कारण गुलामी के दिनों में भी यह देश संसार के लिए पूजनीय रहा है और इसी एकता के कारण भारत सारी दुनिया की आशा का केंद्र बना हुआ है। यह भारत की सांस्कृतिक विशेषता का परिणाम है। हमारी संस्कृति जातीय एकता सिखाती है, वह सिखाती है कि अन्य धर्मों को हम केवल सहन ही न करें, उनको अपना ही धर्म समझें।

1X3=3

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न

I. हमारे देश की प्रमुख विशेषता क्या है?

(क) यहाँ के निवासी धार्मिक हैं

(ख) यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं

(ग) यहाँ बसने वालों के धर्म, भाषा, खान-पान आदि अलग-अलग हैं

(घ) यहाँ रहने वाले संस्कृत भाषा जानते हैं।

II. भारत सारे संसार के लिए नमूना पेश करता है, कैसे?

(क) अनेकता में एकता की भावना से (ख) अपनी संस्कृति की विशेषता से

(ग) आपसी प्रेम-भाव से (घ) बाहर से आई जातियों को आश्रय देने से

III. भारत में भिन्नताओं के मध्य एकता का कारण है-

(क) यहाँ का शासक वर्ग (ख) यहाँ की भौगोलिक स्थिति

(ग) लोगों में राष्ट्रीय एकता की भावना (घ) भारत की सांस्कृतिक चेतना

सोपान II. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न 1X1=1

IV. किसके कारण भारत गुलामी के दिनों में भी संसार के लिए पूजनीय रहा?

सोपान III. लघुत्तरात्मक प्रश्न 2X3=6

V. संसार का ध्येय क्या है? आज पूरा संसार क्या चाह रहा है?

VI. भारत को देखकर किन्हें आशा बँधती है और क्यों?

VII. भारत की एकता के बारे में लेखक का क्या मानना है?

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 8

सच हम नहीं, सच तुम नहीं
सच है महज़ संघर्ष ही।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम ?
जो नत हुआ, वह मृत हुआ,
ज्यों वृंत से झरकर कुसुम ।
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने प्रणय-पाथेय माना जीत उसकी ही रही।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं
सच है महज़ संघर्ष ही।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे,
जो है जहाँ चुपचाप, अपने-आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें।

काँटे चुनें, कलियाँ खिलें,
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही,
सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज़ संघर्ष ही ।

सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न- 1X3=3

I. कवि के अनुसार सच क्या है?
(क) हम और तुम (ख) जीवन
(ग) इंसान (घ) संघर्ष

II. काव्यांश के आधार पर स्पष्ट करें कि जीवन में जीत किसकी होती है?
(क) जो कठिनाइयों से प्रेम करता है (ख) जो झुक गया हो
(ग) जो डाली से टूट गया हो (घ) जो संघर्ष के मार्ग से हट गया हो

III. 'काँटे' और 'कलियाँ' किसके प्रतीक हैं?
(क) सुख और दुख के (ख) दुख और सुख के
(ग) फूलों और काँटों के (घ) संघर्ष और प्रयास के

सोपान II. अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न 1X1=1

IV. जीवन का संदेश क्या है?

सोपान III. लघूत्तरात्मक प्रश्न- 2X2=4

V. कवि के अनुसार जीत किसकी होती है?

VI. 'प्राणों में जड़ता' न होने से कवि का क्या आशय है?

खंड- 'ख' अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर 22अंक

---

3. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक रचनात्मक लिखिए- 6

(क) विश्व पर्यावरण दिवस
(ख) मज़दूरों की समस्याएँ
(ग) निष्पक्ष मीडिया सफल लोकतंत्र का आधार

4. डाक विभाग के अधिकारी को डाकघर में जमा धनराशि पर मिलने वाले ब्याज दर में वृद्धि करने हेतु पत्र लिखिए। 5

अथवा

आप प्रगति विद्यालय के साची/सचिन हैं। स्कूली शिक्षा में स्मार्ट कक्षाओं की बढ़ती भूमिका को देखते हुए अपने विद्यालय में भी स्मार्ट बोर्ड लगाए जाने का अनुरोध करते हुए अपने क्षेत्र के शिक्षा पदाधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X4=8

(I) संचार के किन्हीं दो कार्यों को स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'डिकोडिंग' से क्या तात्पर्य है?

(iii) वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है?

(iv) आपसी व्यवहार या जानकारी को समाचार क्यों नहीं माना जाता है?

6. रेखांकन और कार्टोग्राफ पर टिप्पणी लिखिए 3

खंड- 'ग'आरोह भाग -1 एंव वितान भाग -1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर **40 अंक**

---

7. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 1X5=5

हम तौ एक-एक करि जांनां।
दोइ कहें तिनहीं कौं दोजग जिन नाहिंन पहिचांनां ।।
एकै पवन एक ही पानीं एकै जोति समांनां।
एकै खाक गढ़े सब भांड़ै एकै कोहरा सांनां।।
जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै अगिनी न काटै कोई।
सब घटि अंतरि तँही व्यापक धरै सरूपै सोई।।
माया देखि के जगत लुभांनां काहे रे नर गरबांनां।
निरभै भया कछू नहिं ब्यापै कहै कबीर दिवांनां ।।

I. कबीर जी ने क्या जान लिया है?

(क) ईश्वर अनेक है (ख) ईश्वर एक है

(ग) गुरु ही ईश्वर है (घ) ईश्वर ही गुरु है

II. कबीर जी के अनुसार, ईश्वर के मर्म को कौन नहीं जानता?

(क) जो गुरु को पर-ब्रह्म नहीं मानते

(ख) जो गुरु की माया को नहीं जानते

(ग) जो आत्मा-परमात्मा, जीव-ब्रह्म आदि को अलग-अलग मानते हैं

(घ) जो आत्मा-परमात्मा को एक मानते हैं

III.कबीर जी के अनुसार, ईश्वर ने मनुष्य का निर्माण कैसे किया है?

(क) एक जैसे तत्त्वों से (ख) भिन्न-भिन्न तत्त्वों से

(ग) अपने भिन्न-भिन्न स्वरूप से (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

iv . कबीर जी के अनुसार, निर्भय व्यक्ति कौन हैं?

(क) जो मुक्त रूप से विषय-वासनाओं में लिप्त है

(ख) जो सांसारिक आकर्षणों के भ्रम से मुक्त है

(ग) जो ईश्वर के भय से मुक्त है

(घ) जो गृहस्थ जीवन बिना भय के बिताते हैं

v. अलंकार की दृष्टि से कौन-सा विकल्प सही है?

(क) हम तौ एक-एक करि जांनां- रूपक अलंकार

(ख) एकै पवन एक ही पानी एकै जोति समांनां- उपमा अलंकार

(ग) एकै खाक गढ़े सब भांडै एकै कोहरा सांनां - विशेषोक्ति अलंकार

(घ) जैसे बाढ़ी काष्ठ ही काटै आगिनी न काटै कोई - उदाहरण अलंकार

8. काव्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 3X2=6

(क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं?

(ख) मीरा जगत् को देखकर क्यों रोती हैं?

(ग) मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती हैं? वह रूप कैसा है?

9. काव्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

(क) कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है?

(ख) जैसे बाढ़ी काष्ट ही काटै, अगिनी न काटै कोई सब घटि अंतरि तँही व्यापक धरै सरूपै सोई। इसके आधार पर बताइए कि कबीर की दृष्टि में ईश्वर का क्या स्वरूप है?

(ग) मीरा ने किसे आनंद फल कहा है और इसकी प्राप्ति कैसे हुई?

10. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- 1X5=5

पूछना यह था कि किस्म-किस्म की रोटी पकाने का इल्म आपने कहाँ से हासिल किया? मियाँ नसीरुद्दीन ने आँखों के कंचे हम पर फेर दिए। फिर तरेरकर बोले- 'क्या मतलब? पूछिए साहब- नानबाई इल्म लेने कहीं और जाएगा? क्या नगीनासाज़ के पास? क्या आईनासाज़ के पास ? क्या मीनासाज़ के पास? या रफूगर, रंगरेज़ या तेली-तंबोली से सीखने जाएगा? क्या फ़रमा दिया साहब - यह तो हमारा खानदानी पेशा ठहरा। हाँ, इल्म की बात पूछिए तो जो कुछ भी सीखा, अपने वालिद उस्ताद से ही। मतलब यह कि हम घर से न निकले कि कोई पेशा अख्तियार करेंगे। जो बाप-दादा का हुनर था वही उनसे पाया और वालिद मरहूम के उठ जाने पर आ बैठे उन्हीं के ठीये पर !'

(i) लेखिका के अनुसार, नसीरुद्दीन का खानदानी पेशा क्या था?

(क) नगीनासाज (ख) आईनासाज

(ग) तेली (घ) नानबाई

(ii) मियाँ नसीरुद्दीन अपना उस्ताद किसे मानते थे?

(क) अपने वालिद को (ख) अपने दादा को

(ग) अपने मामा को (घ) अपने नाना को

(iii) सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

सूची I	सूची II
A इल्म	1 कोई काम अपनाना
B आँखों के कंचे फेरना	2 ज्ञान
C पेशा अख्तियार करना	3 ध्यान से देखना या घूरकर देखना

कूट

	A	B	C
(क)	3	1	2
(ग	2	3	1

	A	B	C
(ख)	2	1	3
(घ)	1	2	3

(iv) 'नानबाई इल्म लेने कहीं और जाएगा' यह कथन किसने कहा?

(क) लेखिका ने

(ख) मियाँ नसीरुद्दीन ने

(ग) मियाँ नसीरुद्दीन के नौकर ने

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(v) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन से नानबाई का इल्म सीखना चाहती थी।
2. नानबाई का काम मियाँ नसीरुद्दीन का खानदानी पेशा था।
3. मियाँ नसीरुद्दीन ने अपने बाप-दादा के हुनर को ही अपना पेशा बनाया।

उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(क) केवल 1

(ख) केवल 3

(ग) 1 और 2

(घ) 2 और 3

11. गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए- 3X2=6

(क) 'नमक का दारोगा' पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ख) वंशीधर के पिता ने उसे कौन-कौन-सी नसीहतें दीं?

(ग) मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है?

12. गद्य खंड के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए- 2X2=4

(क) मियाँ नसीरुद्दीन तीसरी पीढ़ी के हैं, जिन्होंने अपने खानदानी व्यवसाय को अपनाया। वर्तमान समय में प्रायः लोग अपने पारंपरिक व्यवसाय को नहीं अपना रहे हैं, ऐसा क्यों?

(ख) लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी?

(ग) 'नमक का दारोगा' कहानी के आधार पर वर्तमान समाज के सामाजिक यथार्थ के बारे में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

13. वितान के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए-

5X2=10

(क) लेखक ने पाठ में 'गानपन' का उल्लेख किया है। पाठ के संदर्भ में स्पष्ट करते हुए-बताएँ कि आपके विचार में इसे प्राप्त करने के लिए किस प्रकार के अभ्यास की आवश्यकता है?

(ख) 'लता ने करुण रस के गानों के साथ न्याय नहीं किया है, जबकि श्रृंगारपरक गाने वे बड़ी उत्कटता से गाती हैं'। इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

(ग) 'चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए'- अक्सर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें।

----------X----------